ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 26 | अगस्त -II-2024 | अंक - 10 | माउण्ट आबू | Rs.-12

राष्ट्रपति ने किया 'डिवाइन रिट्रीट सेंटर' का उद्घाटन 'लाइफस्टाइल फॉर सस्टेनेबिलिटी' का शुभारंभ

कहा... प्रकृति को बचाना अब हम सबका उत्तरदायित्व है

भुवनेश्वर-ओडिशा। मेंधासल जीपी के हरिदमदा गांव में चंदका रिज़र्व वन के निकट ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित डिवाइन रिट्रीट सेंटर के उद्घाटन एवं 'लाइफस्टाइल फॉर सस्टेनेबिलिटी' का राज्य स्तरीय शुभारंभ माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया गया।

इस अवसर पर ओडिशा के गवर्नर रघुवर दास, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, मुम्बई से राजयोगिनी ब्र.कु. योगिनी दीदी, मैसूर से ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, माउण्ट से संस्थान के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई एवं ब्र.कु. संतोष, कटक से ब्र.कु. नथमल तथा अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में देश के समस्त नागरिकों को सम्बोधित करते हुए माननीय राष्ट्रपति महोदया ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा अब अत्यंत ही आवश्यक हो गया है। हमें पेड़-पौधों की सुरक्षा करनी होगी, पानी एवं अन्य संसाधनों की रक्षा करनी होगी। प्रकृति के साथ हम सबका जीवन बंधा हुआ है इसलिए प्रकृति को बचाना अब हम सबका उत्तरदायित्व है। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबिलिटी अब एक विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता बन गई है। इस लाइफस्टाइल का उद्देश्य है- लालच को ज़रूरत पर हावी न होने देना। सस्टेनेबल जीवन में प्राकृतिक, पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों का उपयोग करना शामिल है जिससे संसाधनों के समाप्त होने का खतरा नहीं होता।

अहंकार आत्मा और परमात्मा के मिलन में सबसे बड़ी बाधा : महंत रवींद्र पुरी

हरिद्वार-उत्तराखण्ड। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर 'स्वयं एवं समाज के लिए आध्यात्मिकता का महत्व' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महा निर्वाणी पंचायती अखाड़ा कनखल के सचिव एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज ने कृष्ण और सुदामा की मित्रता का उदाहरण देते हुए कहा कि अहंकार मनुष्य को परमात्मा से मिलने नहीं देता है। आत्मा और परमात्मा के मिलन में अहंकार ही सबसे बड़ी बाधा है। मनुष्य अहंकार का विनाश करने के बाद ही परमात्मा को पा सकता है। गरीबदासी आश्रम के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. हरिहरानंद महाराज ने कहा कि आध्यात्मिकता अंतर्मुखी है और धार्मिकता बाह्यमुखी है। समाज में परिवर्तन अध्यात्म और धार्मिकता दोनों से ही आता है।

निर्मल संतपुरा के अध्यक्ष महंत जगजीत सिंह शास्त्री महाराज ने कहा कि कोई भी धर्म हो, वह हमें परमात्मा से मिलने का ही रास्ता दिखाता है। राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी,संयुक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़ एवं जर्मनी स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों की निदेशिका ने कहा कि आध्यात्मिकता मनुष्य को अंधकार से रोशनी की ओर ले जाती है। मनुष्य समाज में व्याप्त ईर्ष्या, राग, द्वेष जैसे पापों से मुक्ति आध्यात्मिकता से ही पा सकता है। उन्होंने कहा कि 'स्वराज' परमात्मा और आत्मा के मिलन से ही आता है। आत्मा ऐसी जोत है जो हमें परमात्मा से मिलाती है।

'स्वयं एवं समाज के लिए आध्यात्मिकता का महत्व' विषय पर आयोजन

आध्यात्मिकता मनुष्य को अंधकार से रोशनी की ओर ले जाती है – सुदेश दीदी

श्री सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजसेवी सुधीर कुमार गुप्ता, साध्वी पवित्रता, ब्रह्माकुमारीज़ देहरादून सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. मंजू दीदी व अभिषेक आदि ने भी अपने विचार रखे। स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. मीना दीदी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन ब्र.कु. सुशील भाई ने किया।

व्यक्तित्व विकास में श्रेष्ठ विचारों का अहम योगदान

ज्ञानसरोवर में... राष्ट्रीय महिला महासम्मेलन का सफल आयोजन

नारी की वर्तमान स्थिति और उसके सशक्तिकरण पर हुई गहन चर्चा

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू के ज्ञान सरोवर परिसर में आयोजित राष्ट्रीय महिला महासम्मेलन के शुभारंभ पर भारत सरकार की राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की उपाध्यक्षा बहन अंजना पवार ने सफाई के कार्य में लगी हुई बहनों के परिवारों के सदस्यों को सशक्त बनाने के लिए आध्यात्मिकता को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि पुरुष भी पिता या पति के रूप में स्त्री को आगे बढ़ाने में मददगार बन सकता है। ब्रह्माकुमारीज़ कला एवं संस्कृति प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चन्द्रिका दीदी ने कहा कि मन के विचारों को सकारात्मक एवं श्रेष्ठ बनाना आवश्यक है, जिससे हमारे व्यक्तित्व का निर्माण होता है। आध्यात्मिकता द्वारा ही यह संभव है। हमें जीवन में उदारता, धैर्यता, पवित्रता, प्रेम, शक्ति आदि गुणों को धारण करना है, जिसका प्रभाव पूरे विश्व पर पड़ता है। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि परमात्मा ने आध्यात्मिक सशक्तिकरण से नारी को सशक्त बनाकर विश्व परिवर्तन के निमित्त बनाया है। महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने कहा कि तुलनात्मक दौड़ के प्रभाव से मुक्त होकर, आध्यात्मिक जीवन शैली को अपनाकर, सशक्त, शिक्षित एवं श्रेष्ठ परिवार का निर्माण किया जा सकता है।

नांदेड़ से आईं उपायुक्त बहन अरुणा सांगेवार ने बताया कि वे यहां से स्वयं तथा अन्य के लिए आध्यात्मिक ज्ञान व राजयोग के अभ्यास को कर्म-क्षेत्र में, व्यवहारिक जीवन में लाने की प्रेरणा ले जा रही हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षा,ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका तथा ज्ञान सरोवर परिसर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने कहा कि महिलाओं को होड़ को छोड़ स्वयं को मोड़ना है। अध्यात्मिक सशक्तिरण द्वारा स्वयं के स्वमान को जागृत कर मान, अपमान तथा अभिमान से मुक्ति पानी है। स्वयं को दिव्य गुणों से सुसज्जित करना है। इस मौके पर क्षेत्रीय संयोजिका ब्र.कु. माला दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति करायी। मधुर वाणी ग्रुप द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया एवं कुमारी दीया, जया तथा कृष ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सविता दीदी ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया।

मन की शक्तियों को बढ़ाएंगे तो समस्याएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी : राजयोगी ब्र.कु. सूर्य

अंबाला सिटी-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ के सुप्रीम लाइट हाउस,जग्गी कॉलोनी,फेज़-2 सेवाकेंद्र द्वारा 'सांसारिक समस्याएं, आध्यात्मिक समाधान' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक व आध्यात्मिक वक्ता राजयोगी ब्र.कु. सूर्य भाई,माउण्ट आबू ने कहा कि आज सबके जीवन में भिन्न-भिन्न तरह की समस्याएं हैं। लेकिन इन समस्याओं का मूल बीज क्या है। जहां से हमने ये कार्य शुरु किया था। समस्याएं और कुछ नहीं, कमज़ोर मन की रचना है। अगर एक कमज़ोर मन समस्याओं का निर्माण करता है तो शक्तिशाली मन उन्हें नष्ट भी तो करेगा। उन्होंने बताया कि आज मनुष्य दूसरे को बदलना चाहता है, बदलना चाहिए पहले खुद को। हमारे पास दूसरों को बदलने की नहीं बल्कि खुद को बदलने की शक्ति है। हमें अपने मन की शक्तियों को बढ़ाना है। इससे समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाएंगी। हम जिस शक्ति और जिस अच्छी बात को अपने जीवन में लाना चाहते हैं, सुबह उठते ही उसका संकल्प करें कि मैं उस शक्ति से भरपूर हूँ। प्रेरक वक्ता राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी ने कहा कि आध्यात्मिकता, पॉज़िटिव थिंकिंग, मुस्कराहट, क्षमा भाव आदि गुणों को अपनाने के साथ खुदा को दोस्त बनाने से सर्व समस्याओं का समाधान पाया जा सकता है।

ब्र.कु. आशा दीदी,अंबाला कैंट सर्किल सब ज़ोन इंचार्ज,ब्रह्माकुमारीज़ ने सभी के प्रति आशीर्वचन दिए। स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. दिव्या बहन और सह संचालिका ब्र.कु. मीरा बहन द्वारा सूर्य भाई और गीता दीदी का तिलक और गुलदस्ते से स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शहर की जानीमानी हस्तियां मौजूद रहीं।